दोस्त की मदद

Page No 29:

Question 1: (क)लोमडी नेकछुएको बचानेका क्या उपाय सोचा?

(ख) तेंदुएनेक्या मूखखताकी?

(ग) तेंदुएकी इस मूखखतासेकछुएको क्या फायदा हुआ?

Answer: (क) लोमड़ी नेकछु कोए बचानेकेललए तेंदुएकोयह सुझावलदया लक वह उसेपाऩी में फेंदे।कइससेउसक़ी खाल नरम हो जाएग़ी और उसेआराम सेखाया जा सके गा।

(ख) तेंदुआलोमड़ी क़ी बातोंमेंआगया और उसनेहाथ आए कछुकोए पाऩी मेंफेंलदया।क इससे कछुआतो बच गया परन्तुतेंदुआहाथमलता रह गया।

(ग) तेंदुएक़ीमूखखतासेकछुक़ीए जान बच गई और वह सकु शलअपनेघर तालाब मेंपहुँचगया।

Question 2: जब तेंदुआ आया तब कछुआऔर लोमडी गपशप कर रहेथे।सोचो वेक्या बातेकर रहेहोंगे?यहतुमअपनेदोस्त केसाथ ममलकर सोचो।

सोची गई गपशप पर तुमनाटक भी कर सकतेहो।

Answer: इस प्रश्न का उत्तर सभ़ी लवद्याथी कक्षा मेंलमलकर करें।

Question 3: कछुआबहुत धीरे-धीरेचलता है।इसमलए जो बहुत धीरेचलता हैउसकेमलए हम कहतेहैं-

वह कछुएकी तरह चलता है।

अब बताओ इनकेमलए क्या कहेंगे-

- **जो तेज़भागता हो।**

वह .... की तरह भागता है।

- **जो बहुत अच्छा तैराकहो।**

वह .... की तरह तैरताहै।

Answer: • जो तेज़भागता हो।

वह ....घोडे... क़ी तरह भागता है।

- जो बहत अच्छा तैराकहो।

वह ....मछ्ली... क़ी तरह तैरताहै।

Page No 30:

Question 4: जब तेंदुएनेकछुएको पकडा तब

- **वह क्या सोच रहा होगा?**
- **उसनेउस समय मकसेयाद मकया होगा?**

Answer:

- वह सोच रहा होगा लक बुरेफोंअबसे।लोमड़ी ह़ी मुझेबचा सकत़ी है।
- उसनेउस समय भगवान को या अपऩी लमत्र लोमड़ी को याद लकया होगा।

Question 5: बताओ कछुएकेखोल जैसीसख्त चीज़ेंऔर क्या हो सकती हैं?

लोमडी नेतेंदुएको कछुएका खोल तोडनेका आसान तरीका बताया था। क्या तुमनाररयल का तोडनेका तरीका सुझासकतेहो?

Answer: • नाररयल का बाहऱी कवच, अखरोट का बाहऱी कवच आलद सख्त च़ीज़ेंहोसकत़ी हैं।

- उसेसह़ी तरह सेलसल पर पटकना चालहए तालक वह टूजाए।ट

Question 6:

एक **कछुआ**पाऩी सेबाहर लनकल आया। त़ीन **कछुए**पाऩी सेबाहर लनकल आए।

अब नीचेमदए शब्ोों कोबदलकर मलखो-

• **एक कपडा**	**तीन**	....
• **एक रुपया**	**पोंद्रह**	....
• **एक खोंभा**	**चार**	....
• **एक पौधा**	**आठ**	....
• **एक पतीला**	**दो**	....
• **एक सोंतरा**	**दस**	....

Answer:

• एक कपडा	तीन	<u>कपडे</u>
• एक रुपया	पोंद्रह	<u>रुप ए</u>
• एक खोंभा	चार	<u>खोंभे</u>
• एक पौधा	आठ	<u>पौधे</u>
• एक पतीला	दो	<u>पतीले</u>
• एक सोंतरा	दस	<u>सोंतरे</u>

Page No 31:

Question 7: बताओ, ऐसेकौन-कौन चलता है?

फु दक-फु दकर	....	....
चौकडी भरकर	....	....
छलाँगलगाकर	....	....
रेंग-रेंगकर	....	....

Answer:

फु दक-फु दकर	कोयल	मैना
चौकड़ी भरकर	लहरण	गाय का बछडा
छला◌ु◌ँगलगाकर	कों गारू	तेंदुआ
रेंग-रेंगकर	सा◌ु◌ँप	कें चुआ

Question 1:

लोमडी नेतेंदुएको बताया था मक पानी मेंफेंसेकनेकछुएका खोल मुलायमहो जाएगा।

नीचेमलखी चीज़ोंमेंसेकौन-कौन सी चीज़ेंपानी मेंफेंसेकनेमुलायमहो जाएँ?सहीगी जगह पर मलखो।

कागज़, लकडी, मगलास, रोटी,

मबस्किट, प्लेट,पत्ता, मोम, रूई, पापड

मुलायमहो जाएँगी	मुलायमनहींहोंगी
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

Answer:

मुलायमहो जाएँ ग़ी	मुलायमनह़ींहोंग़ी
कागज़	लकड़ी
रोट़ी	लगलास
लबस्किट	प्लेट
रूई	पत्ता
पापड	मोम

Page No 33:

Question 1: एक और कहानी

एक मगरमच्छ था। वह लोमडी को खाना चाहता था। पर लोमडी थी बहुत चालाक। वह मगरमच्छ की पकडी मेंहीनहींआती थी। मगरमच्छ नेएक बार कछुएसेमदद माँगी। कछुएनेकहा-लोमडी हमेशानदी पर पानी पीनेआती है।क्योंनतुमउसेवहींपकडी लो! मगरमच्छ उस मदन नदी पर लोमडी का इोंतज़ारकरता रहा। पूराती काट दी। मफर पता चला मक...

...

...

....

....

- **कहानी को अपनेमन सेआगेबढाओ।**
- **कहानी का अपनेमन सेकोई नाम रखो।**

Answer:

चतुरलोमडी

एक मगरमच्छ था। वह लोमड़ी को खाना चाहता था। पर लोमड़ी थ़ी बहत चालाक। वह मगरमच्छ क़ी पकड़ी मेंह़ीनह़ींआत़ी थ़ी। मगरमच्छ नेएक बार कछुसेएमदद मा◌ु◌ँग़ी।कछुनेएकहा-लोमड़ी हमेशानद़ी पर पाऩी प़ीनेआत़ी है।क्◌ो◌ो◌ंनतुमउसेवह़ींपकड़ी लो! मगरमच्छ उस लदन नद़ी पर लोमड़ी का इोंतज़ारकरता रहा। पूरात़ी काट द़ी। लफर पता चला लक लोमड़ी तो उसकेइरादो को पहलेसेह़ी भा◌ु◌ँपगईथ़ी। अतः वह नद़ी क़ी दूसऱीओर पाऩी प़ीकर चल़ी गई। मगरमच्छ हाथ मलता रह गया । एक लदन लोमड़ी को लकस़ी कारणवश नद़ी केपार जाना पडा। मगरमच्छ इस़ी अवसर क़ी ताक पर था। उसनेजैसेह़ीलोमड़ी को खाना चाहा, तो लोमड़ी बोल़ी, “तुमुझेखाना चाहतेहो परन्तुमुझेखाओगे,तो तुम्हेंबड़ीपरेशाऩीहोग़ी। मुझेखातेसमय मेऱीपू◌ु◌ँछयलदतुम्हारेगलेमेंफों स गई तो तुमर जाओगे।”मगरमच्छ यह सुनकरपरेशानहआ और बोला, “अब तुमह़ी बताओ में क्◌ा करू◌ु◌ँ”लोमड़ी। बोल़ी, “तुमुझेकु छसमय दो मैंअपऩी पू◌ु◌ँछकटवाकर तुम्हारेपास आत़ी हुँ।” मगरमच्छ उसक़ी बातोंमेंआगया और उसनेलोमड़ी को छोड लदया। बस लफर क्◌ा था लोमड़ी झट सेभाग गई और उससेबोल़ी- “मूखखलदमाग तो लगाता यलद मेऱीपू◌ु◌ँछकटजाएग़ी, तो मैंतोवैसेह़ी मर जाऊुँ” ग़ी।